

चमत्कारी सोनू की तीन स्वच्छ आदतें



DCM SHRIRAM
Growing with trust



INDIA
SANITATION
COALITION
BUILD • USE • MAINTAIN • TREAT

Preface

DCM Shriram – Swachhata Saathi:

Swachh Bharat Mission (SBM) was launched by the Indian Government with objective to improve the health and quality of life for people by eliminating open defecation by October 2019, the 150th birth centenary year of Mahatma Gandhi. This was an ambitious target considering the deeply embedded attitudes towards sanitation in the social framework of our country. Facilitating this shift is quite a challenge. Convincing people to build, use, maintain and treat a toilet, wash hands with soap or ash and maintain hygienic conditions around drinking water are three important components of the sanitation journey. It reiterates awareness about clean habits and capacity building of communities and institutions to adopt sustainable sanitation practices.

DCM Shriram has a long-standing commitment towards social responsibilities of communities in surrounding areas of operation focusing on Education, Rural Development, Vocational & Livelihood programs, Healthcare & Sports promotion. We are delighted to partner with India Sanitation Coalition (ISC) in this innovative program called “DCM Shriram Swachhata Saathi” wherein we are looking at spreading awareness about the connection between cleanliness and disease eradication in villages around DCM Shriram. The idea is to empower factory employees to become messengers of cleanliness reaching out to villages with messages of clean habits or “Swachh Aadat”.

The ISC, with its vision to enable and support an ecosystem for sustainable sanitation, has specially-crafted this programme that creatively bundles together various facets of communication to create a strong employee volunteering program that is simple to implement and scale, yet proven to be powerful and impactful. At DCM Shriram, we see this as our small contribution towards the dream of a truly Swachh India.

Name: Ms. Kanupriya Saigal.

Designation: CSR Head, DCM Shriram Ltd.

सूची

कहानियाँ



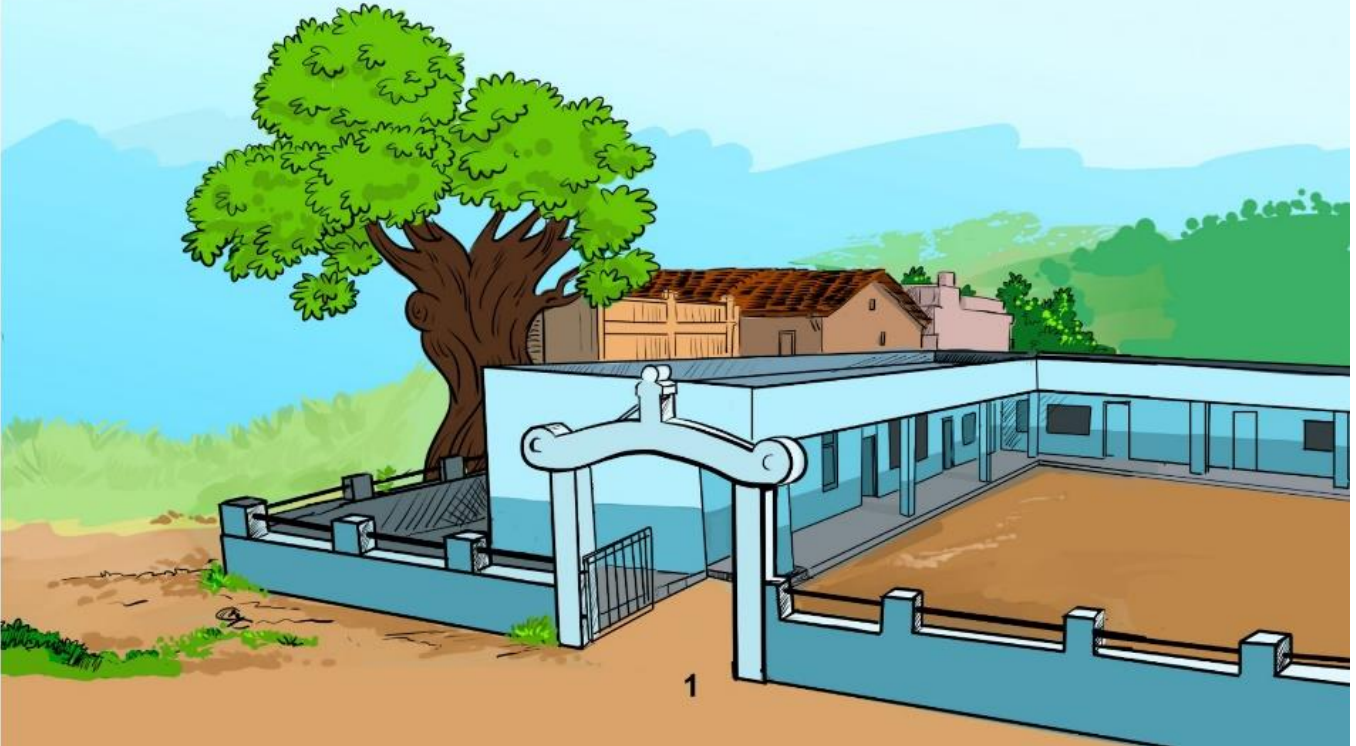
**चमत्कारी
सोनु** ३



**डब्बा
गायब** ९



**स्कूल में
भूत** १५



चमत्कारी सोनु



$$5^2 \times 3^3 = 25 \times 27 = 675$$



मैं बता रहा हूँ, यह जरूर कोई चमत्कारी बच्चा है।

तुझे कैसे पता ?

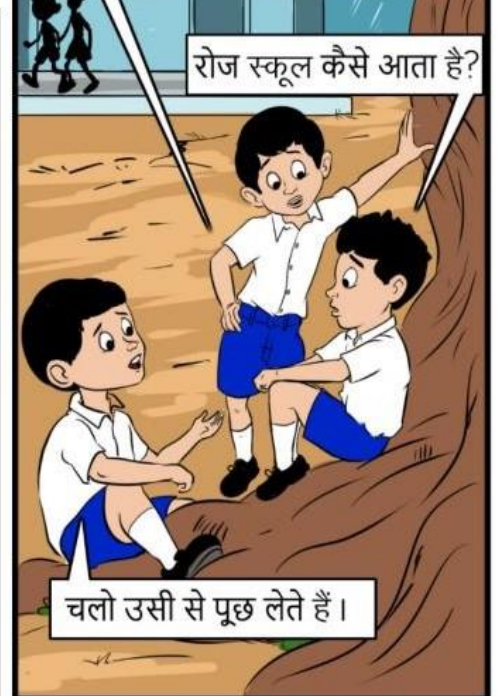
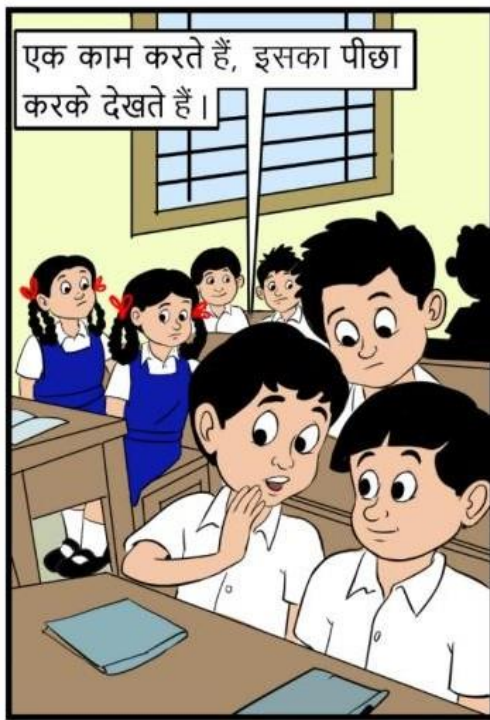


अरे मैंने एक फिल्म देखी थी।



उसमें एक बच्चे को एक परी जादू की शक्ति देती है, उसके बाद वो सर्वश्रेष्ठ बन जाता है।







ए सोनू, एक बात सच सच बता, तू ऐसा क्या करता है, जो क्लास में प्रथम आता है ?

खेल - कूद में भी हमसे आगे रहता है और तो और रोज स्कूल भी आता है।



कभी बीमार नहीं पड़ता है।



तुझे कोई जादू वादू आता है क्या ?

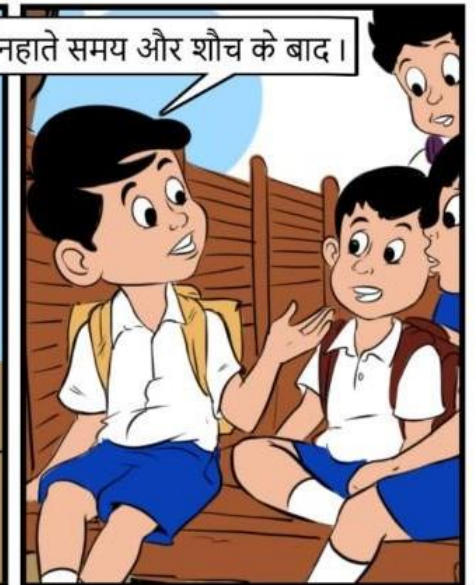
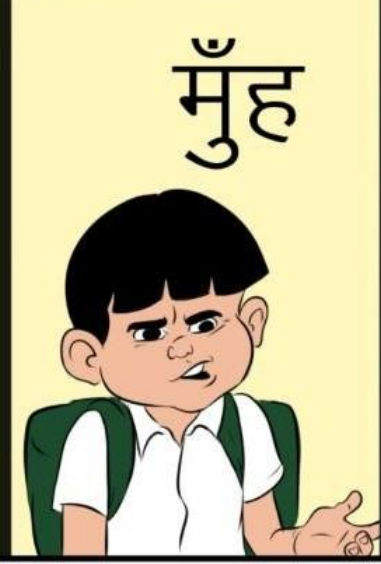
जादू वादू कुछ नहीं।



ये तीन स्वच्छ आदतों का कमाल है जिनकी वजह से मैं बीमार नहीं पड़ता।



स्वच्छ आदतें ?





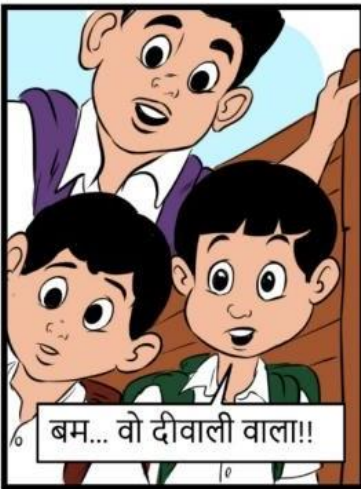
मुँह -पानी हमेशा उबाल कर या किटाणु मारने वाली मशीन या फिल्टर का ही पीना चाहिए।



क्योंकि साफ दिखने वाला पानी साफ नहीं होता है।



और बम।



बम... वो दीवाली वाला!!



हा हा हा। नहीं, बम मतलब शौच के लिये खुले में नहीं शौचालय में ही जाना चाहिए।

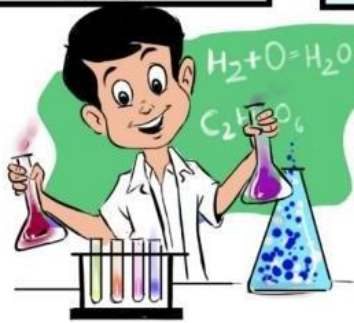
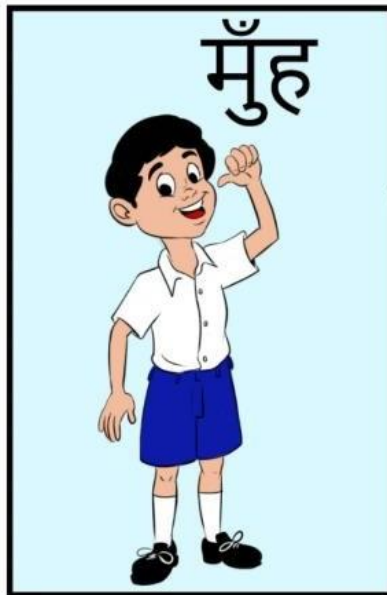


और शौच के बाद, शौचालय को साफ करनेवाली किसी चीज, या कम से कम किसी डिटर्जेंट से ही साफ.....

करना चाहिए इससे बीमारी फैलानेवाले किटाणु मर जाते हैं।

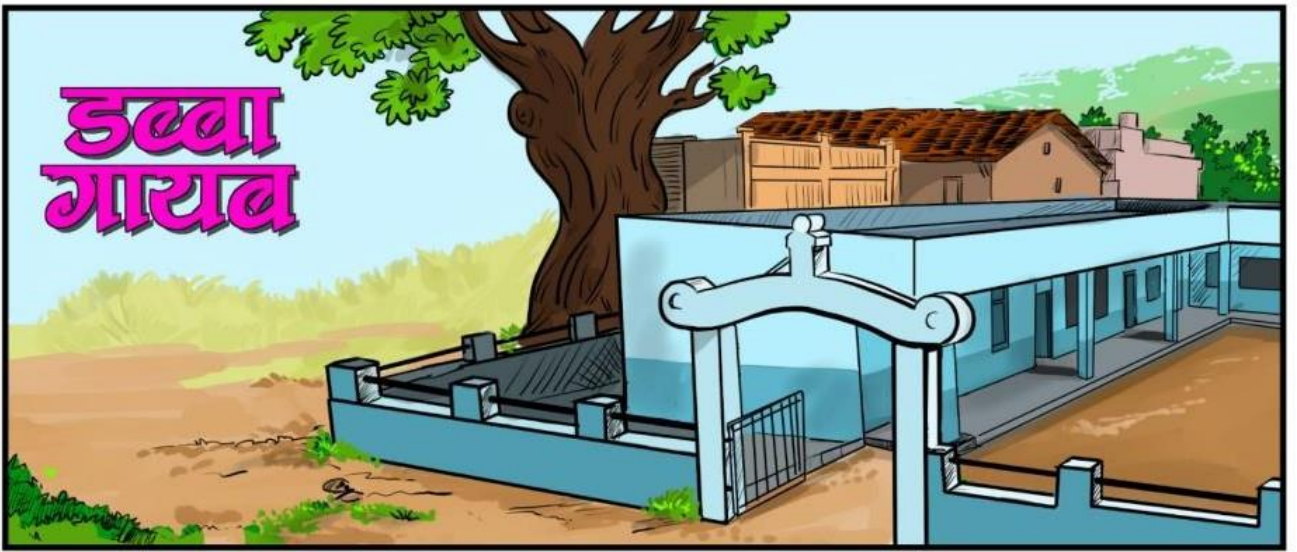


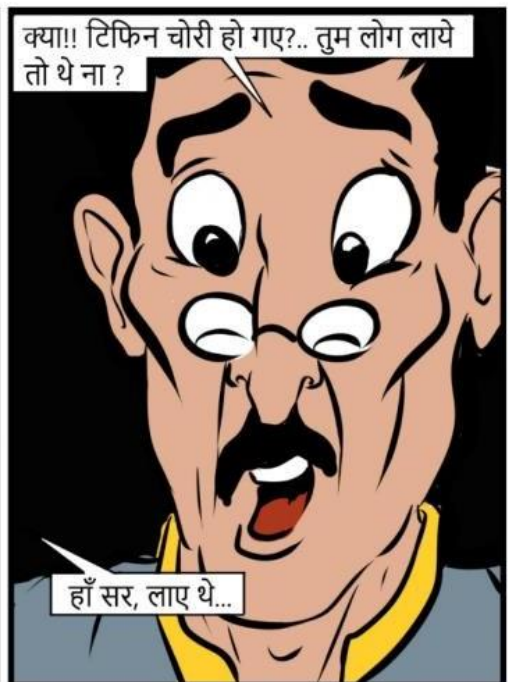
ओ... अब समझे।

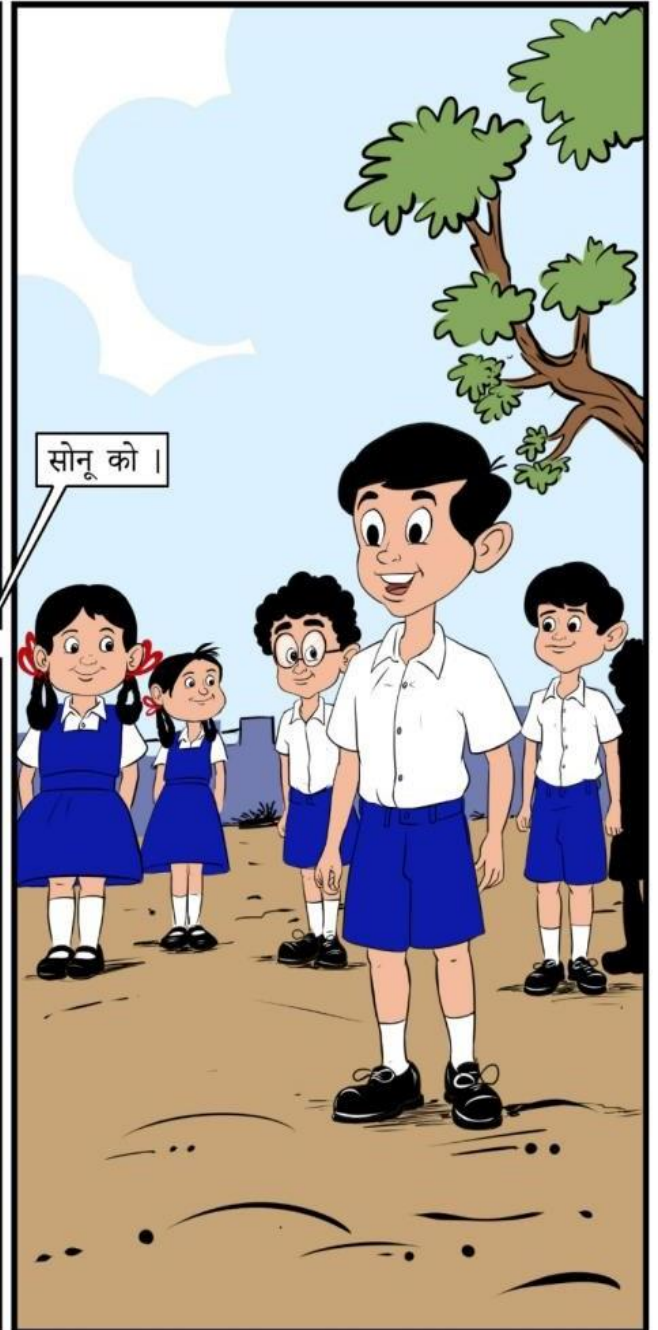


बीमारी होगी कम।











अरे जब हम उन्ही गंदे हाथों से खाते हैं तो वह सारी गंदगी हमारे पेट में जाती है और तभी हम बीमार पड़ जाते हैं।



देखा इसलिए मैंने इसे शाबाशी दी। सोनू अब सबको बताओ तुम्हारे डॉक्टर चाचा ने तूम्हें क्या बताया था? जिससे तुम्हें तीन स्वच्छ आदतें याद रहती हैं।

जी सर, बताता हूँ बड़ा आसान है, हाथ - मुँह - बम, बीमारी होगी कम।

अरे हाथ, मुँह, बम में, हाथ का मतलब है जो गंदे हाथ हमारी बीमारी का कारण हैं, उन्ही हाथों में बीमारी से बचने का उपाय भी है।

हाथ



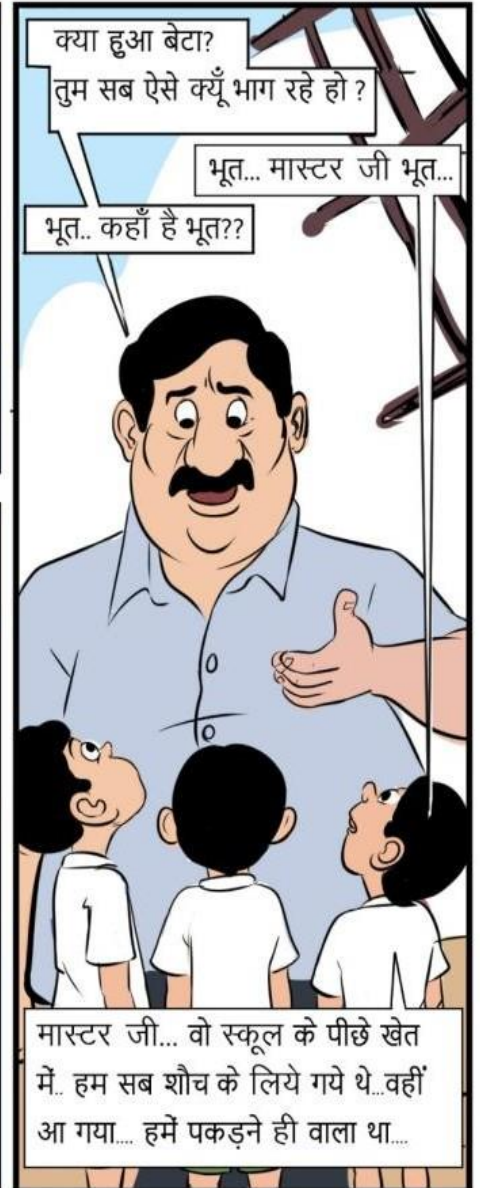
मुँह

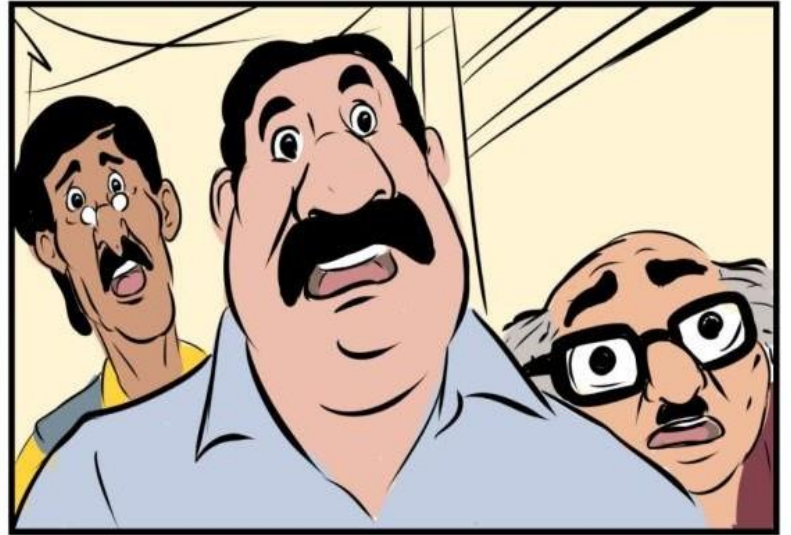


बम









थोड़ी दूर पर उन्हें एक साया दिखता है, जिसने काली शॉल ओढ़ रखी है, सर पर मिट्टी का काला सा मटका रखा है, जिसपे लाल आँखे, सफेद नाक और पीले दाँत बने हैं।



सोनू तुम!!!!?



सोनू तुम!!!!? ये सब क्या है?? क्यूँ बच्चों को डरा रहे हो?? ये बच्चे हमारे मेहमान हैं। तुम्हें तो इनकी मदत करनी चाहिये।



वही तो कर रहा हूँ सर, मैंने इनसे कहा कि यहाँ खुले में शौच के लिये मत जाओ।



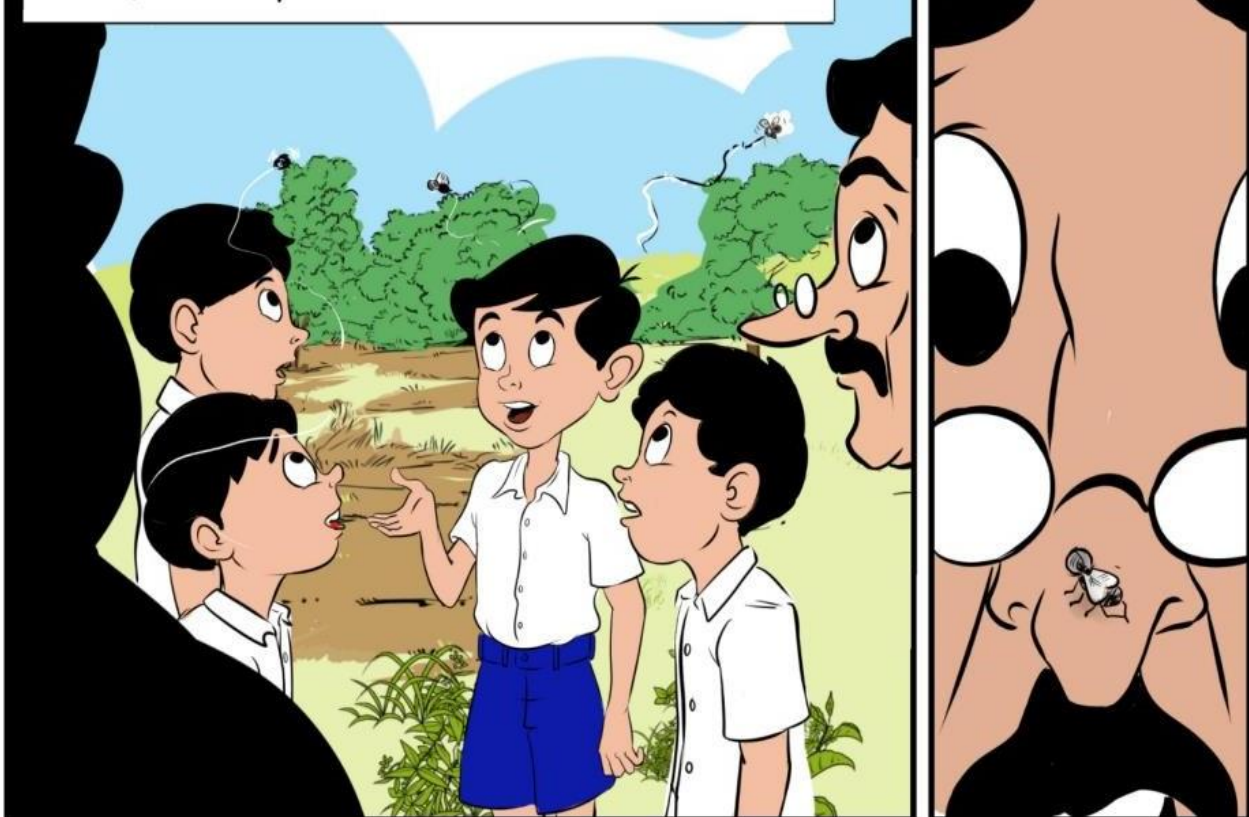
स्कूल के बाहर एक शौचालय बना है, वहाँ जाओ। तो इन लोगों ने कहा कि हम तो रोज खेत में ही जाते हैं और आज भी यहीं करेंगे।

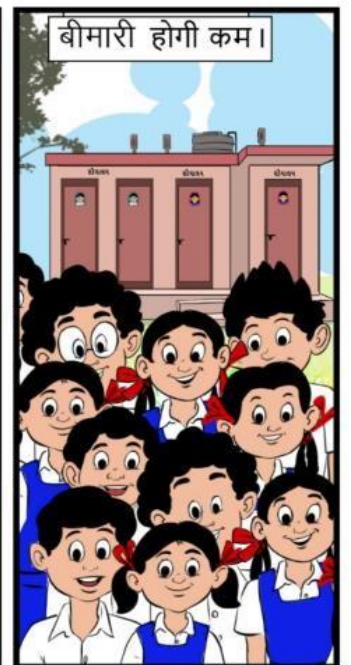
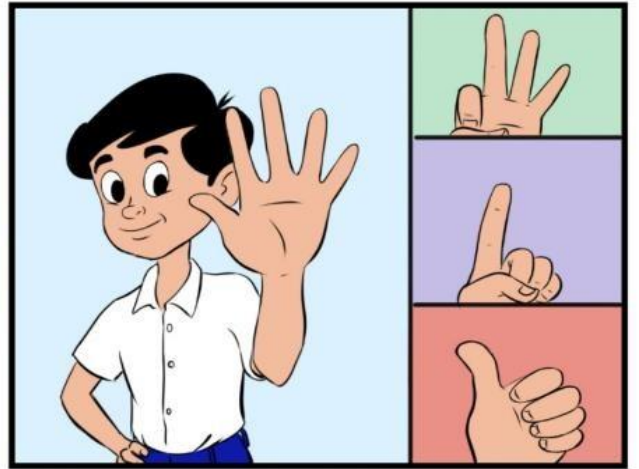


और शौच के बाद उसे किसी अच्छे टॉयलेट क्लीनर या डीटर्जेंट नहीं तो कम से कम पानी से साफ भी करना चाहिये,



क्योंकि अगर हम - तुम खुले में शौच करेंगे तो उस पर मक्खियाँ बैठेंगी, फिर वो मक्खियाँ हमारे खाने-पीने की चीजों पर बैठती हैं और जब हम उन चीजों को खाते हैं तो बीमार पड़ जाते हैं।





बच्चों को सही मार्ग दर्शायें।

हाथ



मुँह



ब्रम

